करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे किये

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिये हैं. करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित जे.पी.दत्ता की फिल्म %रिफ्यूजी% से की थी. करीना कपूर ने फिल्मों में काम करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं. करीना कपूर ने इस खास मौके पर एक पोस्ट शेयर किया है.

करीना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्पेशल पोस्ट किया है. इस पोस्ट में करीना ने अपनी डेब्यू फिल्म 'रिफ्यूजी' से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में करीना अपने डेब्यू को-एक्टर अभिषेक बच्चन के साथ नजर आ रही हैं, जबकि कुछ फोटोज में वो अकेले नजर आ रही हैं.

करीना ने अपने पोस्ट में कैप्शन में सिर्फ लिखा, '25 साल और हमेशा के लिए' इसके साथ ही करीना ने कुछ एक इमोजी का इस्तेमाल किया है.

'सरज़मीन' का ट्रेलर लॉन्च होते ही बोमन ईरानी हुए भावुक

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन इरानी अपने बेटे कायोज़े ईरानी की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'सरज़मीन' का ट्रेलर लॉन्च होते ही भावुक हो गये.

बोमन ईरानी ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर की, जब उनके बेटे कायोज़े ईरानी की पहली फिल्म सरज़मीन का ट्रेलर ऑफिशियली रिलीज़ हुआ. बोमन इरानी ने पिता होने के नाते अपने गर्व और खुशी को बयां करते हुए लिखा, अपने बच्चे के मुंह से 'एक्शन' सुनने का जोश ही कुछ और होता है. 25 जुलाई को ससरजमीन आ रही है जियोहॉटस्टार पर. मेरे बेटे की पहली फिल्म बतौर निर्देशक और मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा पैरेंटल प्राउड मोमेंट.

कश्मीर में तेजी से हो रहे उथल-पुथल की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म सरज़मीन में पृथ्वीराज सुकुमारन,काजोल और इब्राहिम अली खान की अहम भूमिका है. फिल्म सरज़मीन 25 जुलाई, 2025 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी.

जैकलीन फर्नांडीस का नया गाना दम दम रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस का नया गाना दम दम रिलीज हो गया है.

टी-सीरीज़ प्रस्तुत गाना दम दम में जैकलीन फर्नांडिस का करिश्माई परफॉर्मेंस पूरी तरह से छाया हुआ है.

जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर अपना एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा,मुझे सच में लगता है कि आप सब इसे पसंद करने वाले हो. हमने बहुत मेहनत की है. मेरी टीम, शाज़िया और पीयूष,सभी ने इसमें जान लगा दी है. इसमें एक जादुई, मिस्टिकल वाइब है जो मुझे बहुत पसंद है. मैं बेहद रोमांचित हूं और इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब इसे देखें.

यह गाना शाज़िया और पीयूष द्वारा निर्देशित और कोरियोग्राफ किया गया है.जानी द्वारा लिखे गए इस गाने में बनी, सागर, फैज़ और हनी ने कोरस वोकल्स दिए हैं, और हनीश तनेजा ने इसे मिक्स किया है. दम दम अब सभी प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है.

सैयारा का अगला गाना 'धुन' रिलीज़

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) ने फिल्म सैयारा का अगला गाना धुन रिलीज कर दिया है.

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में तुम ही होजैसे ऐतिहासिक चार्टबस्टर्स देने वाले अरिजीत सिंह, मिथुन और मोहित सूरी की ब्लॉकबस्टर म्यूजिकल तिकड़ी फिल्म सैयारा के अगले गाने 'धुन' के लिए, एक बार फिर साथ आई है,जिसे आज यशराज फिल्म्स ने रिलीज किया है.

मोहित सूरी और मिथुन की शानदार म्यूजिकल जर्नी को दो दशक पूरे हो गए हैं. उनकी साझेदारी 2005 में जहर और कलयुग से शुरू हुई थी. बीते 20 वर्षों में, इस जोड़ी ने मर्डर 2, आशिकी 2, एक विलेन, हमारी अधूरी कहानी, हाफ गर्लफ्रेंड, मलंग और अब सैयारा जैसे आइकोनिक म्यूजिक एलबम्स पर साथ काम किया है.

सैयारा, एक बहुप्रतीक्षित रोमांटिक फिल्म है, जिसमें पहली बार यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी ,दोनों प्रेम कहानियों के माहिर एक साथ आए हैं. फिल्म को अब तक गहरी रोमांटिक कहानी, प्रभावशाली केमिस्ट्री और नए कलाकारों की शानदार परफॉर्मेंस के लिए प्रशंसा मिल रही है.

फिल्म के साथ अहान पांडे यशराज फिल्म्स के नए हीरो के रूप में डेब्यू कर रहे हैं, वहीं अनीत पड्डा ,जिन्होंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अपने अभिनय से दिल जीते ,उन्हें अगली वायआरएफ अभिनेत्री के रूप में पेश किया गया है. फिल्म सैयारा 18 जुलाई को रिलीज़ होगी.

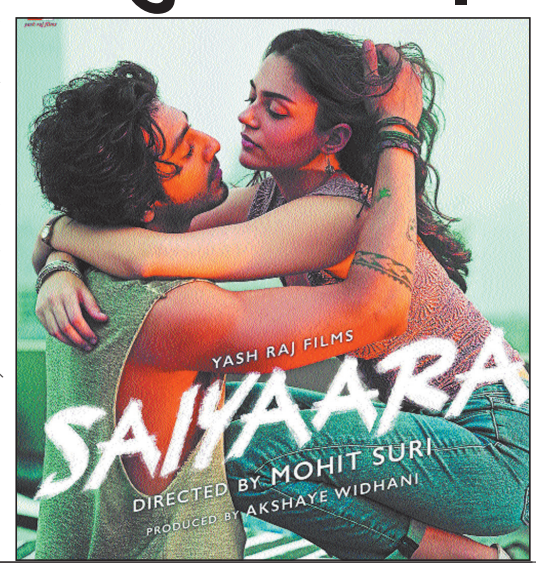

कोंकणा ने इंडस्ट्री के दोहरे रवैये पर की बात

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में व्यस्त हैं. इस फिल्म में वो पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आने वाली हैं. इस बीच अब अभिनेत्री काम और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन बिठाने को लेकर बात की है. साथ ही उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं के काम और उनके वेतन पर पड़ने वाले असर को लेकर भी बात की.फर्स्टपोस्ट के साथ हालिया बातचीत में कोंकणा सेन शर्मा ने कहा कि सच कहूं तो आज के वक्त में किसी भी इंडस्ट्री में मां बनने के बाद महिलाओं की कमाई में असर दिखना शुरू हो जाता है. जबकि पुरुषों के साथ इसका उल्टा होता है. क्योंकि होता ये है कि एक पिता के तौर पर एक पुरुष के लिए जैसे-जैसे उनके बच्चे होते हैं, वो अधिक सीनियर होते जाते हैं .

हुनर हाली गांधी ने आन तिवारी को सिखायी संस्कृत भाषा

अभिनेत्री हुनर हाली गांधी ने बाल कलाकार आन तिवारी को संस्कृत भाषा सिखायी है.

सोनी सब का पौराणिक धारावाहिक वीर हनुमान अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रहा है. इस शो की आत्मा है नन्हे कलाकार आन तिवारी का प्रभावशाली श्री हनुमान का किरदार, जिसकी वीरता, भक्ति और धर्म के मार्ग की यात्रा हर उम्र के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है.

जहां पर्दे पर यह शो एक दृश्यात्मक आनंद है, वहीं पर्दे के पीछे कलाकारों के बीच की बॉन्डिंग भी उतनी ही खूबसूरत है. हाल ही में शो में कैकेयी की भूमिका निभा रहीं हुनर हाली गांधी ने एक विशेष जिम्मेदारी निभाई है. वह सेट पर युवा आन तिवारी की संस्कृत गुरु बन गई हैं. संस्कृत भाषा के प्रति अपने प्रेम और ज्ञान के चलते, हुनर अक्सर आन को कठिन उच्चारण सिखाने, श्लोकों का अर्थ समझाने और संवादों को सिर्फ बोलने ही नहीं बल्कि भावार्थ समझकर अभिनय करने में भी मदद करती हैं.

हुनर हाली गांधी ने कहा ,मुझे हमेशा से संस्कृत पसंद रही है, और यह भाषा आसान नहीं है .खासकर आन जैसे छोटे बच्चे के लिए. लेकिन सबसे खुशी की बात यह है कि वह हमेशा कुछ नया सीखने को तैयार रहता है. आन बेहद ईमानदार और जिज्ञासु बच्चा है. जब मैं उसे इतना प्रयास करते हुए देखती हूं, तो मुझे भी उसे मदद करने की प्रेरणा मिलती है. अब हमारे बीच एक प्यारी सी रूटीन बन गई है. मैं उसे संस्कृत शब्दों के अर्थ पूछती हूं या कठिन पंक्तियों को सरल करके समझाती हूं. यह हम दोनों के लिए कुछ ऐसा बन गया है जिसका हम इंतजार करते हैं.

फिल्म विश्वंभरा में नजर आयेगा शानदार वीएफएक्स सीन

मेगास्टार चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म विश्वंभरा में शानदार वीएफएक्स सीन नजर आयेगा.

फिल्म विश्वंभरा अब पोस्ट-प्रोडक्शन के आखिरी दौर में है. यह एक बड़ी सोशल-फैंटेसी फिल्म है, जिसे देखने में दर्शकों को बहुत मजा आने वाला है. इस फिल्म में शानदार वीएफएक्स सीन होंगे.

इस फिल्म पर टॉलीवुड, बॉलीवुड और हॉलीवुड के बड़े-बड़े वीएफएक्स स्टूडियो मिलकर काम कर रहे हैं. वे हर सीन पर बहुत मेहनत कर रहे हैं, जिससे फिल्म के विजुअल्स इंटरनेशनल लेवल के हों. इंडस्ट्री के लोग कह रहे हैं कि विश्वंभरा एक बहुत ही बड़ी फिल्म साबित होने वाली है और यह इंतजार करने लायक है. इस फिल्म को निर्देशक वशिष्ठ बना रहे हैं. विश्वंभरा उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है. यूवी क्रिएशंस इस फिल्म को बड़े बजट में बना रही हैफिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन काम अब लगभग खत्म होने वाला है. चिरंजीवी और पूरी टीम अब तक हुए काम से बहुत खुश हैं. बहुत जल्द फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित की जाएगी.

नेहा धूपिया ने मुंबई से सूरत तक वंदे भारत ट्रेन यात्रा की

नेहा बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने हाल ही में वंदे भारत एक्सप्रेस से मुंबई से सूरत तक एक खास ट्रेन यात्रा की, जो केवल सफर नहीं बल्कि उनकी बचपन की यादों को ताजा करने वाला अनुभव बन गया.

सुबह-सुबह की यह यात्रा नेहा धूपिया को पुराने दिनों की याद दिला गई. वही जाने-पहचाने दृश्य, आवाजें और भावनाएं, जिन्हें उन्होंने अपने नए यूट्यूब व्लॉग में खूबसूरती से साझा किया है.

वीडियो में नेहा उत्साहित नजर आती हैं, जैसे ही वह ट्रेन में चढ़ती हैं और अपने बचपन की बातें याद करती हैं. वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, बचपन में मम्मी-पापा के साथ ट्रेन से सफर करती थी... आज भी वही एहसास हो रहा है. इस सफर ने बहुत सी प्यारी यादें वापस ला दीं. नेहा धूपिया ने कहा, ये अनुभव बहुत ही सुंदर और भावुक करने वाला था. सफर आरामदायक था, सेवा बेहतरीन थी और रास्ते में कुछ अच्छे लोगों से भी मुलाकात हुई.

नेहा का यूट्यूब चैनल उनके फैंस को उनकी ज़िंदगी के सच्चे और निजी पलों की झलक देता है ,फिर चाहे वो कोई कहानी हो, कोई नई सीख, या इस तरह का अचानक किया गया सफर.

कृषि जगत

बंजर-ऊसर भूमि में लगाएं ये बाग

आजकल किसानों के बीच आंवले की बागवानी काफी लोकप्रिय हो रही है, और इसकी मुख्य वजह है इसकी साल भर बनी रहने वाली मांग. आंवला न केवल ऊबड़-खाबड़, बंजर और ऊसर ज़मीन में भी अच्छी पैदावार देने की क्षमता रखता है, बल्कि इसके पौधे जमीन में पोषक तत्वों की पूर्ति कर उसे उपजाऊ बनाने में भी मदद करते हैं. आंवला इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी जीवित रह सकता है और अच्छी पैदावार दे सकता है. अगर ऊसर भूमि में आंवले की खेती की जाती है, तो यह न केवल किसानों के लिए आय का एक नया स्रोत बन सकता है, बल्कि इससे बंजर पड़ी जमीन का सुधार भी संभव है, जिससे भविष्य में अन्य फसलों की खेती के लिए भी रास्ता खुल सकता है.

आंवले की बेहतर पैदावार के लिए कई अच्छी व्यावसायिक किस्में विकसित की हैं जो तीसरे साल से ही फल देना शुरू कर देती हैं. 10-12 साल पुराने पेड़ों से 150-200 किलोग्राम तक फल मिल सकते हैं. आंवले के पेड़ एक बार लग जाने के बाद कम से कम 30-40 साल तक फल देते रहते हैं. इसलिए, चुनी गई किस्मों के ग्राफ्टेड पौधे ही लेना चाहिए. आंवले में स्व-निषेचन की कमी के कारण बड़ी संख्या में फूल होने के बावजूद फल नहीं लगते हैं. इसलिए, बाग में कम से कम दो-तीन प्रकार की किस्में जरूर लगाएं.

बरसात के मौसम में टमाटर से लद जाएगा पौधा

बरसात का मौसम हर किसी के लिए राहत लेकर है, लेकिन बागवानी करने वाले किसानों और गार्डनिंग करने वालों के लिए ये थोड़ा चुनौतीपूर्ण भी हो जाता है. खासकर जब बात टमाटर उगाने की हो, तो बरसात के मौसम में नमी, कीट और फफूंदी जैसी परेशानियां आकर खड़ी हो जाती हैं. कई बार मेहनत के बावजूद पौधों में फल नहीं आते और जल्दी खराब हो जाते हैं. ऐसे में अगर आप भी इन परेशानियों से जूझ रहे हैं तो तो बताई गई कुछ आसान और स्मार्ट ट्रिक्स फॉलो करें.

ये है वो तीन आसान काम

पौधे की कटिंग है सबसे जरूरी- बरसात में पौधा बहुत तेजी से बढ़ता है और बढ़े हुए पौधे में टमाटर नहीं आते हैं. ऐसे में पौधे की साइड ब्रांचेस को नियमित रूप से काटते रहें. इससे पोषक तत्व फलों की तरफ डायवर्ट होते हैं और पौधा फलों से भर जाता है.

मिट्टी में मिलाएं ये खास चीज- मिट्टी में नीम की खली, गोबर की खाद और राख मिलाकर डालें. ये तीनों चीजें मिलकर मिट्टी को फर्टाइल बनाती हैं और पौधे की जड़ों को मजबूती देते हैं. बता दें कि बरसात में मिट्टी जल्दी सड़ती है, इसलिए यह मिक्स पौधों को बचाना भी है और फल लाने में भी मदद करता है.

स्प्रे करें दही का घोल- बरसात के दिनों में टमाटर के पौधे में फूल झड़ना आम समस्या है. इस पर काबू पाने के लिए 1 लीटर पानी में 2 चम्मच दही मिलाकर स्प्रे करें. दही के बैक्टीरिया पौधे में नेचुरल ग्रोथ पैदा करते हैं, जिससे फूल झड़ना बंद हो जाते हैं और फल बनने लगते हैं.

टमाटर की सही वैरायटी चुनें- अगर आप बंपर पैदावार चाहते हैं तो 'चाइनीज चेरी', 'रोमा' या 'देशी गोल टमाटर' जैसी किस्में लगाएं जो ज्यादा फल देते हैं और बरसात के मौसम में जल्दी खराब नहीं होती.

बरसात में देखभाल कैसे करें?

पौधों को पानी से बचाएं- बारिश के मौसम में अक्सर पौधों की जड़ें पानी में डूब जाती हैं, जिससे जड़ सड़ने लगती है. ऐसे में पौधे को ऐसे गमले में लगाएं जिसमें ड्रेनेज हो या फिर जमीन में उगा रहे हैं तो हल्की ऊंचाई पर लगाएं.

धूप की न हो कमी

बरसात में धूप कम निकलती है, इसलिए कोशिश करें कि पौधों को सुबह की हल्की धूप जरूर मिले, इससे पौधों को क्लोरोफिल अच्छे से होता है और वे ज्यादा फल देते हैं.

अरहर को बर्बाद कर सकते हैं उकठा और बंझा रोग

भारत में अरहर (तुअर) दाल की खेती और खपत बड़े पैमाने पर होती है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके उत्पादन में लगातार गिरावट देखी जा रही है. इस गिरावट का मुख्य कारण रोगों का प्रकोप है, जिनमें उकठा रोग विल्ट, बंझा रोग मुख्य हैं. इसके कारण कभी कभी फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाती है.

फसल को बर्बाद कर सकता है उकठा रोग- उकठा रोग अरहर की फसल को सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंचाने वाले रोगों में से एक है. इसकी जड़ें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं और छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां दिखाई देती हैं. शुरुआती लक्षणों में निचले पत्तों का पीला पड़ना शामिल है, जो धीरे-धीरे पूरे पौधे में फैल जाता है और अंततः पूरा पौधा सूख जाता है.

जानिए बचाव का असरदार तरीका- उकठा रोग के रोकथाम में सबसे जरूरी है कि अरहर की बुआई के समय बीज का उपचार जरूर करें और जब बारिश कम हो, तब ट्राइकोडर्मा और स्यूडोमोनास के जैविक कवकनाशी मिश्रण को मिलाकर 1 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से उपयोग करें.

बंझा रोग से फसल तबाह होने का खतरा- पौध सुरक्षा विशेषज्ञ के अनुसार, बंझा रोग भी अरहर की फसल के लिए एक गंभीर समस्या है. इस रोग से ग्रसित पौधों में फूल नहीं आते, जिससे फलियां और दाना नहीं बनता. सबसे पहले पत्तियां हरे और पीले रंग के धब्बे या अनियमित पैटर्न में, धीरे-धीरे पीली पड़ सकती हैं, और उनका आकार विकृत हो जाता है या वे मुड़ सकती हैं. नतीजन बांझपन आ जाता है, जिसका सीधा असर फली निर्माण और बीज उपज पर पड़ता है. **फसल बचाने के लिए तुरंत अपनाएं ये उपाय**- बंझा रोग के प्रभावी प्रबंधन के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं- वाइरस को फैलाने का काम एरीओफाइड माइट्स मुख्य वाहक कीट के रूप में कार्य करते हैं, इसलिए एकीकृत कीट प्रबंधन उपायों को अपनाना बेहद अहम है. इसमे अरहर बुवाई के 40 दिन बाद तक खेत का नियमित सर्वेक्षण करें और जैसे ही संक्रमित पौधे दिखाई दें, उन्हें तुरंत जड़ सहित निकालकर नष्ट कर दें.

पशुओं का दूध बढ़ाने में कारगर है ज्वार का चारा

देश में खेती-किसानी के बीच किसानों का तेजी से रूख पशुपालन की ओर बढ़ रहा है. ऐसा इसलिए किसानों पशुपालन कमाई का एक बहुत बड़ा जरिया है. वहीं, पशु चिकित्सकों की मानें तो दुधारू पशुओं को हरा चना खिलाने पर वो अधिक दूध देती हैं क्योंकि हरे चारे में बहुत सारे पौष्टिक गुण होते हैं, जिससे उनकी दूध देने की क्षमता बढ़ जाती है. अगर आप किसान हैं और साथ में पशुपालन भी करते हैं, तो आपको अपने पशुओं को ज्वार की हरी-हरी घास खिलाना चाहिए.

सस्ते में यहां मिलेगा बीज- किसानों और पशुपालकों कि सुविधा के लिए राष्ट्रीय बीज निगम ऑनलाइन पोषक तत्वों से भरपूर और सेहतमंद ज्वार की CSH-24 किस्म के बीज बेच रहा है. इस चारे की बीज को आप ओएनडीसी के ऑनलाइन स्टोर से खरीद सकते हैं. यहां किसानों को कई अन्य प्रकार की फसलों के बीज पौधे और चारे वाली फसलें आसानी से मिल जाएंगी. किसान इसे ऑनलाइन ऑर्डर करके अपने घर पर डिलीवरी करवा सकते हैं और खेती से लेकर पशुपालन में अपनी कमाई को बढ़ा सकते हैं.

ज्वार के किस्म की खासियत- ज्वार की CSH wy MF किस्म की फसल काफी तेजी से तैयार होती है. ये किस्म करीब 50 से 60 दिनों में पशुओं के चारे के तौर पर कटाई के लिए तैयार हो जाती है. इसे सूखे जैसे क्षेत्रों में भी आसानी से उगाया जा सकता है और बिना कीटनाशक के भी इसकी खेती की जा सकते है. इस किस्म का चारा पशुओं के लिए काफी पौष्टिक होता है.

ज्वार के बीज की जानें कीमत- अगर आप भी अपने पशुओं के लिए ज्वार की खेती करना चाहते हैं और बीज खरीदना चाहते हैं तो 5 किलो का बैग फिलहाल 28 फीसदी की छूट के साथ 335 रुपये में राष्ट्रीय बीज निगम की वेबसाइट पर मिल जाएगा. इसे खरीद कर आप आसानी से अपने पशुओं को संतुलित आहार वाला ज्वार का चारा खिला सकते हैं. साथ ही इसकी खेती से उपजने वाले अन्न को खा सकते हैं.

ज्वार के चारे के फायदे-

ज्वार के चारे से पशुओं को कई फायदे होते हैं, जैसे कि दूध की मात्रा बढ़ना और गर्मियों में बीमार न होना. साथ ही पशु एक्पर्ट की मानें तो बरसात में पशुओं को ज्वार का चारा खिलाना अच्छा होता है. ज्वार के चारे में मक्के के बराबर प्रोटीन होता है. वहीं, ज्वार का चारा कम ऊर्जा की जरूरत वाले पशुओं के लिए अच्छा होता है.